web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 24 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 327

शिव शक्ति प्वाइंट को चूमेगा भारत का चंद्रयान-4, इसरो चीफ ने बताया पूरा प्लान

❐ चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को की थी चांद के साउथ पोल पर सॉफ्ट लैंडिंग

नई दिल्ली

स्पेस में चंद्रयान-3 (Chandrayaan-3) मिशन की सफलता के एक साल पूरे होने पर देश आज अपना पहला नेशनल स्पेस डे (National Space Day) मना रहा है. चंद्रयान-3 के बाद अब इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) चंद्रयान-4 (Chandrayaan-4 Launching) की तैयारी में जुट गया है. ISRO का ये स्पेसक्राफ्ट न सिर्फ चंद्रमा पर लैंडिंग करेगा, बल्कि वहां से चट्टान और मिट्टी के सैंपल भी लेकर आएगा. ISRO के चीफ एस सोमनाथ ने इसकी जानकारी दी है. अगर चंद्रयान-4 सफल होता है, तो भारत चांद की सतह से सैंपल वापस धरती पर लाने वाला चौथा देश बन जाएगा.

कब होगी लॉन्चिंग?

भारत का चौथा मून मिशन यानी चंद्रयान-4 चार साल बाद यानी 2028 के आस-पास लॉन्च हो सकता है. ISRO चीफ ने एस सोमनाथ ने बताया, "हमने चंद्रयान-4 का डिजाइन तैयार कर लिया है... यानी चांद से मिट्टी के सैंपल धरती पर कैसे लाए जाएंगे. इसकी डिटेलिंग हो चुकी है. अभी हमारे पास इतने ताकतवर रॉकेट नहीं है कि सब कुछ एक साथ ले जा सके, इसलिए हम इसे कई बार में लॉन्च करने की प्लानिंग कर रहे हैं."

उन्होंने आगे कहा, "इसलिए हमें स्पेस में ही स्पेसक्राफ्ट के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ने की क्षमता

(डॉकिंग) विकसित करनी होगी. ये जोड़ने की क्षमता पृथ्वी की कक्षा में भी और चांद की कक्षा में भी काम करेगी. हम इसी क्षमता को विकसित कर रहे हैं. इस साल के अंत में स्पेडेक्स नाम का एक मिशन है, जिसका मकसद यही डॉकिंग क्षमता को प्रदर्शित करना है."

350 किलोग्राम का होगा रोवर

ISRO के मुताबिक, चंद्रयान-4 में 350 किलोग्राम का रोवर तैनात किया जाएगा. चंद्रयान-4 मिशन चंद्रमा की सतह से पत्थर और मिट्टी का सैंपल लेकर आएगा. इसमें सॉफ्ट लैंडिंग होगी. डॉ. एस. सोमनाथ ने कहा कि हमने चंद्रयान-4 की सारी प्लानिंग हो चुकी है. उसे कैसे लॉन्च करेंगे. कौन सा हिस्सा कब लॉन्च होगा.

धरती की तरफ भी आएगा मॉड्यूल

चंद्रयान-4 की लैंडिंग चंद्रयान-3 की तरह ही होगी. हालांकि, सेंट्रल मॉड्यूल परिक्रमा करने वाले मॉड्यूल के साथ डॉक कर वापस धरती की तरफ भी आएगा. वायुमंडल में फिर से प्रवेश कर सेंट्रल मॉड्यूल सैंपल गिराकर धरती के ठीक ऊपर परिक्रमा करने वाले मॉड्यूल से अलग हो जाएगा.

इंसानों की कॉलोनी बसाने के प्रयासों में मदद मिलेगी

ISRO चीफ ने कहा, "हमारे पास चंद्रमा की सतह पर इंसान को भेजने के लिए अगले 15 साल हैं. चांद की सतह से लिए सैंपल के एनालिसिस से मिलने वाले डेटा से चांद की सतह पर पानी जैसे संसाधनों के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है. इससे भविष्य में इंसानों की कॉलोनी बसाने की कोशिशों को जोर मिल सकता है."

4 फेज में हुई थी चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग

ISRO ने 14 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग की थी. आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से LVM3 रॉकेट के जरिए इसे स्पेस में भेजा गया था. चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त 2023 को चांद के साउथ पोल पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी. ऐसा करने वाला भारत दुनिया का पहला देश है. इस मिशन के तीन हिस्से थे- प्रोपल्शन मॉड्यूल, विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर. चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग 4 फेज में हुई थी.

23 अगस्त 2023 को 30 किमी की ऊंचाई से शाम 5 बजकर 44 मिनट पर ऑटोमैटिक लैंडिंग प्रोसेस शुरू की और अगले 20 मिनट में सफर पूरा कर लिया था. चंद्रयान-3 ने 40 दिन में 21 बार पृथ्वी और 120 बार चंद्रमा की परिक्रमा की.

चांद पर भारत के अब तक के मिशन

भारत ने चांद पर अब तक 3 मिशन किए हैं. पहला मिशन चंद्रयान-1 था, जिसे 2008 में लॉन्च किया गया था. इसमें एक प्रोब की क्रैश लैंडिंग कराई गई थी, जिसमें चांद पर पानी के बारे में पता चला. इसके बाद 2019 में चंद्रयान-2 चांद के करीब पहुंचा, लेकिन लैंड नहीं कर पाया. इसके बाद 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 ने चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया. जिस जगह पर लैंडिंग हुई, उस जगह को पीएम मोदी ने शिव शक्ति पॉइंट नाम दिया है.

कब हुई ISRO की स्थापना?

साइंटिस्ट डॉ. विक्रम साराभाई ने 1962 में इंडियन नेशनल कमेटी फॉर स्पेस रिसर्च (INCOSPAR) बनाई. डॉ. साराभाई के नेतृत्व में INCOSPAR ने तिरुवनंतपुरम में थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन (TERLS) की स्थापना की गई. इन्कोस्पार टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के तहत काम करती थी. 15 अगस्त 1969 इसका नाम इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन कर दिया गया. यानी इसी दिन ISRO की स्थापना हुई.

ISRO का आगे का क्या है प्लान?

-चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब ISRO चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 की तैयारी कर रहा है. ISRO चीफ डॉ. एस. सोमनाथ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इसकी जानकारी दी थी.

-चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 मिशन में चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के बाद चंद्रमा के पत्थरों और मिट्टी को पृथ्वी पर लाना, चंद्रमा से एक अंतरिक्ष यान को लॉन्च करना और सैंपल को पृथ्वी पर वापस लाना शामिल है.

-ISRO का गगनयान मिशन इस साल दिसंबर में लॉन्च होने वाला है. ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है, जिसके तहत 4 एस्ट्रोनॉट्स स्पेस में जाएंगे. गगनयान में 3 दिनों का मिशन होगा, जिसके तहत एस्ट्रोनॉट्स के दल को 400 KM ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजा जाएगा. इसके बाद क्रू मॉड्यूल को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा.

-ISRO अगले पांच साल में अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट्स की पूरी सीरीज लॉन्च करने की भी योजना बना रहा है.

-वहीं, मिशन वीनस (Mission Venus)को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है. हम मिशन का ISRO री-वैल्यूवेशन करेगा.

महत्वपूर्ण एवं खास

रूद्रप्रयाग में फाटा हेलीपैड के पास बारिश से लैंडस्लाइड; मलबे में दबने से 4 मजदूरों की मौत

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग में गुरुवार-शुक्रवार की रात भारी बारिश के कारण चार लोग मलबे में दब गए। मूसलाधार बारिश के कारण पहाड़ में भूस्खलन हुआ और चार लोग इसकी चपेट में आ गए। देर रात 1.30 बजे फाटा हेलीपैड के सामने खाट गडरे में 4 लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना मिली। इसके बाद रेस्क्यू टीमों को मौके पर भेजा गया। हालांकि, इनमें से किसी को भी बचाया नहीं जा सका। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि शुक्रवार को रात 1.20 बजे अत्यधिक बारिश के कारण फाटा हेलीपैड के समीप खाट गदेरे के पास 4 लोगों की मलबे में दबे होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होते ही घटना स्थल के लिए राहत एवं बचाव कार्य हेतु रेस्क्यू टीम को भेज दिया गया है, जो मौके पर दबे हुए लोगों को निकालने के लिए कार्य कर रही है। पुलिस ने 4 शव बरामद करने के बाद सभी को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि मलवे में दबे लोगों को रेस्क्यू टीम ने निकाल लिया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग नेपाल के हैं। अत्यधिक बारिश के कारण उफान पर आये गधेरे के मलबे के चपेट मे आये चार नेपालियों के शवों को रेस्क्यू टीमों ने बरामद किया।

आरजी कर त्रासदी : कोर्ट ने आरोपी संजय रॉय को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा

कोलकाता (आरएनएस)। कोलकाता की एक अदालत ने शुक्रवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला जूनियर डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी संजय रॉय को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। संजय रॉय को शुक्रवार दोपहर कड़ी सुरक्षा के बीच मध्य कोलकाता के सियालदह में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) की अदालत में पेश किया गया। मामले की सुनवाई नियमित अदालत कक्ष के बजाय, एसीजेएम के कक्ष में की गई। वहां किसी को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी। कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस उपायुक्त रैंक के एक अधिकारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी कमरे के बाहर मौजूद थे। गौरतलब है कि रॉय को शुरू में कोलकाता पुलिस की विशेष जांच टीम ने गिरफ्तार किया था। लेकिन कोर्ट द्वारा मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश देने के बाद आरोपी को सीबीआई के हवाले कर दिया गया।

कोलकाता रेप केस : संदीप घोष समेत 4 डॉक्टरों का होगा पॉलीग्राफ टेस्ट, सीबीआई को मिली अनुमति

कोलकाता । आरएनएस

कोलकाता दुष्कर्म हत्याकांड मामले में अब पूर्व प्रिंसिपल डॉ संदीप घोष पर सीबीआई का शिकंजा कस गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सीबीआई को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष और चार अन्य डॉक्टरों का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति दे दी है।

पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति प्राप्त करने के लिए सीबीआई ने गुरुवार को कोर्ट का रुख किया था। जांच एजेंसी को इन डॉक्टरों के बयानों में विसंगतियां मिली थीं, जिन्हें सत्यापित करने के

लिए पॉलीग्राफ टेस्ट का सहारा लिया जाएगा। एक सीबीआई अधिकारी ने बताया कि टेस्ट से बयानों की सत्यता की पुष्टि की जा सकेगी और सबूतों की पुष्टि में सहायता मिलेगी।

पिछले सप्ताह कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर कोलकाता पुलिस से अपने हाथों में जांच लेने वाली सीबीआई ने पिछले कुछ दिनों में संदीप घोष से कई बार मैराथन पूछताछ की है लेकिन घोष हर बार बयान बदलते रहे हैं। अब पॉलीग्राफ टेस्ट से कोलकाता कांड की सच्चाई सामने आ सकती है। सीबीआई को भरोसा है कि पॉलीग्राफ टेस्ट से कई अनसुलझे रहस्यों को पता चल सकता है। पूछताछ के दौरान घोष के कथित बेमेल तर्कों और जवाबों से असंतुष्ट सीबीआई ने पॉलीग्राफ टेस्ट की इजाजत देने के लिए अदालत से अनुमति मांगी थी।

नेपाल में 40 भारतीयों को ले जा रही बस नदी में गिरी, 14 लोगों की मौत; 16 घायल

काठमांडू

नेपाल के तनहुन जिले में सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां एक भारतीय बस संतुलन खोने के बाद नदी में जा गिरी। इस बस में 40 भारतीय सवार थे। बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी। इस दुर्घटना में 14 लोगों की मौत की खबर है जबकि 16 घायल बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय बस जब तनहुन जिले में दाखिल हुई तो यहां मार्सयांगडी नदी में जा गिरी।

जिला पुलिस कार्यालय तनहुन के डीएसपी दीपकुमार राया ने इस घटना की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि यूपी एफटी 7623 नंबर प्लेट वाली बस नदी में गिर गई और नदी के किनारे पर पड़ी है। इस घटना के बाद से सोशल मीडिया पर नेपाल ट्रेंडिंग में है। सोशल मीडिया यूजर लगातार नेपाल की सड़क हादसे का वीडियो और फोटो शेयर कर रहे हैं और लोगों के सुरक्षित होने की कामना कर रहे हैं। इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस बल और नेपाल की सेना मौके पर पहुंच गई है। नेपाल की सेना द्वारा राहत बचाव का कार्य शुरू कर दिया गया है। लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा रहा है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार सुबह 11.30 बजे हुई।

ज्ञात हो कि पोखरा नेपाल का टूरिस्ट प्लेस है। नेपाल घूमने के लिए आने वाले लोग पोखरा जरूर आते हैं।

बताया जा रहा है कि सभी 40 लोग घूमने के सिलसिले में नेपाल आए थे। वहीं, गाड़ी उत्तर प्रदेश की है। माना जा रहा है कि बस में सवार लोग भी यूपी के रहने वाले होंगे। इधर, उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त के अनुसार, नेपाल में हुई घटना के संबंध में, हम यह पता लगाने के लिए संपर्क स्थापित कर रहे हैं कि क्या राज्य से कोई इसमें शामिल है या नहीं।

असम में नाबालिग लड़की से गैंगरेप के बाद बवाल, सड़कों पर उतरे लोग

नागांव । आरएनएस

देश भर में बलात्कार की कई घटनाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच असम में भी ऐसी ही एक और घटना के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। असम के नागांव जिले के ढिंग में गुरुवार शाम को तीन लोगों ने 14 वर्षीय लडक़ी के साथ सामूहिक बलात्कार किया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने दोषियों को सजा देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

10वीं कक्षा में पढऩे वाली लडक़ी गुरुवार शाम को ट्यूशन क्लास से लौट रही थी, तभी शाम 7 से 8 बजे के बीच तीन लोगों ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, उसके साथ सामूहिक बलात्कार करने के बाद हमलावरों ने उसे बोरभेटी इलाके में सडक़ किनारे फेंक दिया। करीब एक घंटे बाद स्थानीय लोगों ने उसे नग्न और बेहोशी की हालत में पाया।

स्थानीय निवासियों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। नाबालिग को बचा लिया गया और उसे चिकित्सा सहायता के लिए ढिंग एफआरयू ले जाया गया। बताया जा रहा है कि लडक़ी की हालत ठीक नहीं है। स्थानीय निवासियों के अनुसार नाबालिग ने कहा कि जब वह ट्यूशन से लौट रही थी तो तीन लोगों ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया।

इस भयावह घटना के बाद शुक्रवार को पूरा ढिंग इलाका बंद रहा और स्थानीय निवासियों ने भारी विरोध-प्रदर्शन भी किया। ढिंग इलाके में छात्रों और महिलाओं समेत हजारों लोग विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

पुलिस के अनुसार, तीनों हमलावर मोटरसाइकिल पर सवार थे, तभी उन्होंने लडक़ी को देखा और उस पर हमला कर दिया। कथित तौर पर उन्होंने उस पर कुछ स्प्रे किया, उसका मुंह बांध दिया और उसके साथ क्रूरता से बलात्कार किया, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद उन्होंने उसे सडक़ किनारे एक तालाब के पास फेंक दिया, जहां बाद में लोगों ने उसे बिना कपड़ों के पाया।

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने डीजीपी जीपी सिंह को घटनास्थल का दौरा करने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने एक्स पोस्ट किया, ढिंग में नाबालिग से जुड़ी भयावह घटना मानवता के खिलाफ अपराध है और इसने हमारी सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है। हम किसी को नहीं छोड़ेंगे और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाएंगे। मैंने असम पुलिस के डीजीपी को घटनास्थल पर जाने और ऐसे राक्षसों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

आंध्र प्रदेश में एक और औद्योगिक दुर्घटना, चार मजदूर घायल

विशाखापत्तनम । आरएनएस

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में एक और औद्योगिक दुर्घटना में एक फार्मा इकाई के चार कर्मचारी घायल हो गए।

यह दुर्घटना शुक्रवार तडक़े परवाड़ा में जवाहरलाल नेहरू फार्मा सिटी की इकाई में हुई।

अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना सिनर्जीज़ एक्टिव इंग्रेडिएंट्स में हुई। रसायन मिला रहे मजदूर झुलस गये। घायलों को तुरंत विशाखापत्तनम के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायल मजदूर झारखंड के बताये जा रहे हैं। हादसा कैसे हुआ इसकी विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अनकापल्ली जिला कलेक्टर विजय कृष्णन से बात की और घटना की जानकारी ली। उन्होंने कलेक्टर को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये कि घायलों को पूरा उपचार मिले।

मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री वी. अनीता और शीर्ष अधिकारियों को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे विशाखापत्तनम के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे श्रमिकों से मिलने के लिए भी कहा।

48 घंटे से भी कम समय में अनकापल्ली जिले में यह दूसरी दुर्घटना है। 21 अगस्त को अच्युता पुरम स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) में एसिएंटिया एडवांस्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में एक रिएक्टर में विस्फोट होने से सत्रह लोगों की मौत हो गई थी और 36 लोग घायल हो गए थे।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को विशाखापत्तनम और अनकापल्ली के अस्पतालों में घायलों से मुलाकात की था। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक करोड़ रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 50-50 लाख रुपये और अन्य घायलों को 25-25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी।

बांग्लादेश में बाढ़ से 13 लोगों की मौत, 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

ढाका

बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में आई बाढ़ से 13 लोगों की मौत हो गई। बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। कई परिवार विस्थापित हो गए हैं।

आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्रालय के तहत देश के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया समन्वय केंद्र ने लेटेस्ट दैनिक आपदा स्थिति रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार, देश के कुल 64 जिलों में से 11 में बाढ़ के कारण लगभग 44 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशियाई देश में बाढ़ के कारण 13 लोगों की मौत हो गई है, जबकि हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। भारी मौसमी वर्षा तथा भारतीय सीमा पार पहाडिय़ों से पानी के

प्रवाह के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से देश के बड़े हिस्से में मकानों, फसलों, सडक़ों और राजमार्गों को व्यापक नुकसान पहुंचा है।

राहत और बचाव के लिए कई केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर करीब 200,000 लोगों ने शरण ली है। अधिकारियों ने बचाव अभियान चलाने और राहत सामग्री वितरित करने के लिए आपदा प्रतिक्रिया बलों की टीमों को इन केंद्रों पर भेजा है।

बांग्लादेश के कई हिस्सों में शुक्रवार को बारिश रुक गई और ढाका में मौसम अधिकारियों ने कहा कि कुछ इलाकों में पानी घटने लगा है लेकिन बाढ़ कई दिनों तक खत्म नहीं होगी।

ढाका स्थित एकोन टीवी ने शुक्रवार को बताया कि बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों में सात और लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, भारत से नीचे की ओर बाढ़ के पानी में चार लोगों की मौत की खबर आई थी, और देश के पूर्वी क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही थी।

बांग्लादेशी गैर-सरकारी संगठन बीआरएसी ने एक बयान में कहा कि तेज़ी से बढ़ते पानी ने कृषि भूमि के विशाल क्षेत्रों को जलमग्न कर दिया है। क्षेत्रों के जलमग्न होने से आजीविका, घर और फसलें नष्ट हो गई हैं। इससे लगभग 30 लाख लोगों का जीवन अस्त वयस्त हो गया है। बीआरएसी ने कहा कि कई लोग बिजली, भोजन या पानी के बिना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अन्य मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि 170 मिलियन की आबादी वाले डेल्टा राष्ट्र में 4.5 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं।

कई चैरिटी समूहों की मदद से एक छात्र समूह देश की राजधानी में ढाका विश्वविद्यालय में सूखा भोजन, नकदी, पानी और दवाइयां एकत्र कर रहा है।

बीआरएसी के जलवायु परिवर्तन, शहरी विकास और आपदा जोखिम प्रबंधन के निदेशक लियाकत अली ने कहा कि यह बांग्लादेश में तीन दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ थी।

उन्होंने कहा, पूरे गांव, उनमें रहने वाले सभी परिवार और उनका सब कुछ - घर, मवेशी, खेत, मछली पालन बह गए हैं। लोगों के पास कुछ भी बचाने का समय नहीं था। देश भर में लोग फंसे हुए हैं और हमें उम्मीद है कि बारिश जारी रहने के कारण कई जगहों पर स्थिति और खराब हो जाएगी।

ढाका स्थित द बिजनेस स्टैंडर्ड अखबार ने शुक्रवार को बताया कि पूर्वी जिले कमिला में गोमती नदी में बाढ़ सुरक्षा तटबंध पर नई दरारें आने से आधी रात से करीब 100 निचले गांवों में पानी भर गया। नोआखली, फेनी और चटगांव सहित अन्य जिले भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

क्यूमिला में घटनास्थल पर स्वयंसेवकों ने गुरुवार मध्य रात्रि को हुई चोरी के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए सचेत करने का प्रयास किया, जबकि निवासियों ने चेतावनी देने के लिए पड़ोस की मस्जिदों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किया।

क्षेत्र के कुछ पीड़ितों ने टेलीविजन स्टेशनों को बताया कि वे अपना सामान वहीं छोडक़र सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं। सेना ने शुक्रवार को प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री और सूखा भोजन पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया।

बता दें कि बांग्लादेश में सोशल मीडिया पर अफवाहें फैली हुई हैं कि बाढ़ का कारण भारत द्वारा त्रिपुरा में डंबूर बांध खोलना है। इस अफवाह को लेकर बांग्लादेश में कई भारत विरोधी प्रदर्शन हुए। भारत के विदेश मंत्रालय ने इससे इनकार करते हुए कहा कि बांध सीमा से बहुत दूर है और भारी बारिश के कारण दोनों देशों के बड़े क्षेत्र में बाढ़ आ गई है।